प्रेरणा

त्रैमासिक समाचार पत्र

श्री शक्ति डिग्री कालेज

साँखाहरी, हरबसपुर, घाटमपुर

कानपुर नगर-209206

Prerna

QUARTERLY NEWS LETTER

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

Sankhahari, Harbaspur, Ghatampur,

Kanpur Nagar-209206

अक्टूबर से दिसम्बर–2015

महाविद्यालय में हुआ ग्रामीण पोषण संगोष्ठी का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 18 नवम्बर को ग्रामीण पोषण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जुहारी देवी गर्ल्स कालेज की प्राध्यापक डॉ॰ गीता माथुर ने कहा कि संतुलित आहार के लिए भोजन में छह तत्वों को होना आवश्यक है जिसमें पानी भी है। यदि इन छह तत्वों में कोई कम या ज्यादा हो जाय तो कुपोषण हो जाता है। कुपोषण पोषक तत्वों की कमी से ही नहीं बल्कि पोषण तत्वों की मात्रा अधिक हो जाने से भी हो जाता है। ए॰एन॰डी॰ कालेज की डॉ॰ नीरा नागरथ ने कहा कि कुपोषण की समस्या ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में है। पोषण की जिम्मेदारी केवल महिलाओं की ही नहीं बल्कि बदलते समय में पुरूष भी इसके लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। डॉ॰ नागरथ ने कहा कि संतुलित आहार महिलाओं एवं पुरूषों, बच्चों एवं युवाओं तथा बुजुर्गों के लिए अलग–अलग है। यहां तक कि ग्रहणियों एवं कामकाजी महिलाओं के लिए अलग–अलग पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। डॉ॰ नागरथ ने बताया कि बिना डाक्टर की सलाह के आयरन एवं कैल्सियम तथा एनर्जी ड्रिंक बच्चों को पोषण बढ़ाने के बजाय उन्हें कुपोषित कर सकते हैं। डॉ॰ रन्जू कुशवाहा ने ग्रामीण क्षेत्र में विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के पोषण से सम्बन्धित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर मोनिका गुप्ता ने प्वांइट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में पोषण की स्थिति पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर गरीबी एवं जानकारी के अभाव को ग्रामीण के कुपोषण का मुख्य कारण बताया। जन्तु विज्ञान विभाग के प्रवक्ता सत्येन्द्र अग्निहोत्री ने बताया जहां बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग से खाद्यानों के पैदावार में वृद्धि हुई हैवहीं पोषक तत्वों में कमी भी आई है। डॉ॰ सन्दीप त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कुपोषण के लिए आर्थिक कारणों को भी जिम्मेदार बताया। कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कुपोषण की समस्या का निदान किये बिना स्वस्थ भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। जब ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं व बच्चे कुपोषण रहित होंगे और स्वस्थ होंगे तभी देश का विकास सम्भव है। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन डॉ॰ बी॰के॰ चन्द्रा ने किया। धन्यवाद आई॰सी॰टी॰ प्रभारी विवेक त्रिवेदी ने दिया।

मूक नाटिका के द्वारा दिया स्वच्छता का संदेश

महाविद्यालय द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छ गांव स्वस्थ गांव का संदेश लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किये जा रहे कार्यक्रमों के क्रम में दिनांक 11 दिसम्बर को जनपद फतेहपुर के कोडा जहानाबाद स्थित विवेकानन्द विकास संस्थान इण्टर कालेज में महाविद्यालय के छात्रों द्वारा स्वच्छ गांव स्वस्थ गांव विषय पर लोगों को स्वच्छता के फायदे एवं गन्दगी से होने वाले नुक्सान को बताने के लिये एक मूक नाटिका (माइम) का मंचन किया गया। इस नाटिका के द्वारा संदेश दिया गया कि प्रत्येक व्यक्ति समाज में स्वच्छता के लिये जिम्मेदार है छोटी–छोटी लापरवाही से सार्वजनिक स्थलों पर गन्दगी फेलती है जिससे अनेक बीमारियां पनपती हैं जिसके कारण लोगों की जान तक चली जाती है। स्वच्छता की जागरूकता की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्र में लोग अधिक प्रभावित होते हैं। लोगों के द्वारा सड़कों, पार्कों, अस्पताल, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व बाजार में पालीथिन एवं अन्य कूड़ा आदि फैलाया जाता है। किन्तु सफाई के अभाव में यही कूड़ा सड़कर संक्रमण फेलाता है। यहां तक की नालियों के चोंक होने से उनमें सदैव दूषित जल भरा होने के कारण डेंगू व संक्रमण के द्वारा जानलेवा बीमारियां उत्पन्न होती हैं जो मनुष्यों के साथ–साथ पशुओं के स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है अतः आज स्वच्छता के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है जिससे हम सभी खुशहाल जीवन जी सके। कार्यक्रम मूक नाटिका कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी के संयोजन एवं राऊनन्दन विद्यार्थी के निर्देशन में वैभव, अमित, चैतन्य, अटल, ओम एवं मयंक आदि छात्रों ने प्रस्तुतिकरण दिया।

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत छात्र/छात्राओं ने लोगों को सफाई का दिया संदेश

महाविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत दिनांक 6 नवम्बर को रैली निकालकर एवं स्वयं सफाई का लोगों को स्वच्छता का संदेश छात्र/छात्राओं द्वारा दिया गया। रैली को बी॰सी॰ए॰ विभागाध्यक्ष विवेक त्रिवेदी ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डॉ॰ सन्ध्या सचान, डॉ॰ अर्चना मिश्रा, डॉ॰ वन्दना बाजपेई एवं मोनिका गुप्ता के संरक्षण में छात्र/छात्राएं झाड़ू,फावड़ा, पोस्टर, बैनर आदि लेकर क्षेत्रीय गांव भोजेपुर, अम्बरपुर पहुंचकर लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया। लोगों को बताया गया कि गन्दगी से संक्रमित बीमारियां उत्पन्न होती हैं, जिनसे लोगो की जान तक चली जाती है। यदि हम सभी मिलकर अपने आस–पास की सफाई रखें तो हम अपने शरीर व मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकते है। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने लोगों को स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक तो किया ही बल्कि स्वयं भी झाड़ू लगाकर गांव की सफाई की ताकि महाविद्यालय के स्वच्छ गांव, स्वस्थ गांव का क्रियान्वयन हो सके।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन
महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म दिवस मनाया

महाविद्यालय में दिनांक 22 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस एवं राष्ट्रीय गणित दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में एच॰बी॰टी॰आई॰ के गणित विभाग के प्रो॰ रामनरेश त्रिपाठी ने रामानुजन जी के बारे में बताते हुये कहा कि जब रामानुजन कक्षा 3 में पढ़ते थे तभी उन्होंने 0/0 की वैल्यू के बारे में अपने विचार दे दिये थे। डॉ॰ त्रिपाठी ने कहा कि गणित विज्ञान की रीढ़ है परन्तु कई बार शिक्षकों के द्वारा गणित के सिद्धान्तों को सही ढंग से न समझने के कारण यह विषय छात्रों के लिये कठिन हो जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी में क्रान्ति के पीछे गणितीय गणनाओं की अहम भूमिका है। डॉ॰ त्रिपाठी ने रामानुजन के आरम्भिक प्रतिभा का उल्लेख करते हुये उनके गणितीय योगदान पर प्रमुखता से प्रकाश डाला। रामानुजन के प्रमुख योगदानों में संख्या पद्धति, विभाजन पद्धति, डाइवर्जन सीरीज, बनरौली संख्या इत्यादि के बारें में विस्तृत व्याख्या की, जिसका आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान एवं अन्य क्षेंत्रों में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। रामानुजन को विश्व पटल पर स्थापित करने में तत्कालीन गणितज्ञ प्रोफेसर जे॰एच॰ हार्डी के योगदान की चर्चा की। डॉ॰ त्रिपाठी ने बताया कि रामानुजन प्रथम भारतीय गणितज्ञ थे जो लन्दन मैथमेटिकल सोसाइटी एवं रॉयल सोसाइटी के फेलो निर्वाचित हुये। मैक्स प्लांक इन्सटीट्यूट फॉर मैथमेटिकल जर्मनी में शोध कर्ता डॉ॰ जितेन्द्र बाजपेई ने रामानुजन के मॉक थीटा फंक्शन के ऊपर किये गये संयुक्त शोध पर व्याख्यान देते हुये बताया कि रामानुजन ने अपने जीवन के अन्तिम दिनों में मृत्यु के तीन माह पहले मृत्युशैय्या में लेटे हुये अपने गुरू जी॰एच॰हार्डी को लिखे पत्र में मॉक थीटा फंक्शन का जिक्र किया था जिसका आज गणित और भौतिकी के उच्च शोध कार्यो में बहुत ही प्रयोग होता है, जिसका लोहा आज पूरा विश्व मानता है। बी॰एन॰डी॰ कालेज में गणित विभागाध्यक्ष डॉ॰ ए॰एल॰पाठक ने बताया कि रामानुजन ने अपने जीवन के अल्प आयु में ही गणित की विभिन्न विधाओं जैसे रिमान थीटा फलन, रिमान, आईटेन्टिटी, हाईपर जिमेट्रिक फलन, दीर्घ वृत्ति फलन आदि में उल्लेखनीय योगदान किया है। रामानुजन को संख्याओं का जादूगर कहा जाता है। वी॰एस॰एस॰डी॰ कालेज गणित विभागाध्यक्ष डॉ॰ टी॰एन॰ त्रिवेदी ने कहा कि हमारे देश में प्रतिभायें तो बहुत हैं किन्तु उनकों पहचानना मुश्किल हो जाता है आज यदि शिक्षक जी॰एच॰ हार्डी बने तो अनेकों रामानुजन मिल जायेंगे। डॉ॰ त्रिवेदी ने कहा बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हमारे यहां रामानुजन, डॉ॰ हरगोविन्द खुराना, हरिश्चन्द्र जैसे बड़े–बड़े वैज्ञानिक, गणितज्ञ हुये हैं किन्तु इनका हमारे ही देश में सम्मान नहीं है, वहीं जब ये लोग अमेरिका आदि स्थानों में पहुंच जाते हैं तो इनके शोधकार्यों से विश्व में नाम विख्यात हो जाता है। कानपुर विश्वविद्यालय में गणित विभागाध्यक्ष डॉ॰ वी॰एन॰पाल ने बताया कि रामानुजन अंको के जादूगर थे। अंको का खेल उन्होंने ही बताया। उनकी बताई गयी बहुत सी प्रमेंयों का आज भी हल ढूंढ़ना मुश्किल है। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी प्राचार्य डॉ॰ नरेन्द्र मोहन, डॉ॰ बी॰के॰चन्द्रा, विवेक त्रिवेदी सहित गणित के शिक्षक व छात्र–छात्राएं मौजूद रहें।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को किया गया पुरस्कार वितरण

बाल विकास के साधनों कला बहुत उपयोगी है। स्कूली पाठ्यक्रम में कला विषय से बच्चों में रचना शीलता, सृजनात्मकता और सौन्दर्यबोध जैसे गुणों का विकास होता है। शहर की तुलना में ग्रामीण परिवेश के बच्चों में कलात्मक प्रोत्साहन का आभाव है। इस कमी को दूर करने के लिये महाविद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को कला के प्रति रूझान पैदा करने हेतु सतत प्रयास किया जा रहा है। महाविद्यालय द्वारा गोद लिये गये ग्राम पंचायत सांखाहरी के तीन प्राथमिक व दो उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कला प्रतियोगिता आयोजित की गयी, इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 63 बच्चों को पेन्टिग किट व पुरस्कार कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी द्वारा प्रदान किया गया ।

विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीनकाल से वर्तमान उपलब्धि पर आयोजित हुआ व्याख्यान

महाविद्यालय में दिनांक 28 दिसम्बर को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वी॰एस॰एस॰डी॰ कालेज के डॉ॰ अरविन्द दीक्षित ने विज्ञान के क्षेत्र में भारत के बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुये बताया कि भारत में वैज्ञानिक अनुसन्धानों और अविष्कारों की गौरवशाली परम्परा प्राचीनकाल से चली आ रही है। हमारे ऋषि मुनियों का इसमें बहुत ही योगदान रहा है जिसका लोहा आज के वैज्ञानिक भी मानते है। डॉ॰ दीक्षित ने बताया कि प्राचीनकाल में ही ऋषि कणाद ने परमाणु की खोज कर दी थी। नागार्जुन ने रासायनिक अभिक्रिया के बारे में जानकारी दे दी थी। वहीं महर्षि सुश्रुत ने प्लास्टिक सर्जरी एवं महर्षि चरक ने चिकित्सा शास्त्र की महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। डॉ॰ दीक्षित ने बताया हमारे वेदों में बहुत सी प्रमेयों का भण्डार है, महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने खगोलशास्त्र के बारे में पहले ही बहुत सी जानकारीयां दे दी थी। डॉ॰ दीक्षित ने बताया कि जिस योग चिकित्सा पर आज के वैज्ञानिक व डॉक्टर विश्वास करने लगे है उस योगदर्शन के बारे में हमारे महर्षि पतंजलि ने प्राचीनकाल में ही खोज कर ली थी। वर्तमान में भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों से बहुत नाम कमाया है। मंगलयान का पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह के कक्ष में पहुंच जाना बड़ी उपलब्धि है।राजस्थान में स्थापित परमाणु ऊर्जा संयन्त्र दुनिया में सबसे ज्यादा तक चलने का रिकार्ड कायम किया है। कम्प्यूटर के क्षेत्र में भी भारत की उपलब्धियां सराहनीय है। इसी तरह रक्षा विज्ञान के क्षेत्र में मिसाईलें, सूचना जगत में उपग्रहों तथा कृषि के क्षेत्र में विकास महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धियां हैं। हमें हमारी उपलब्धियों पर गर्व है किन्तु उन चुनौतियों को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है जिनका हम देश में सामना करते हैं अतिथि व्याख्यान में बी॰सी॰ए॰ विभागाध्यक्ष विवेक त्रिवेदी ने डॉ॰ दीक्षित का स्वागत किया । इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डॉ॰ नरेन्द्र मोहन, डायरेक्टर रिसर्च एण्ड इनोवेशन डॉ॰ आर॰के॰एस॰ कुशवाहा, डॉ॰ बी॰के॰ चन्द्रा, डॉ॰ मन्जू अग्निहोत्री आदि उपस्थित रहे। धन्यवाद कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने दिया।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ॰ ए॰ पी॰ जे॰ अब्दुल कलाम का जन्म दिवस मनाया गया

महाविद्यालय में दिनांक 15 अक्टूबर को देश के पूर्व राष्ट्रपति व महान वैज्ञानिक डॉ॰ ए॰ पी॰ जे॰ अब्दुल कलाम का जन्मदिवस मनाया गया। ''अब्दुल कलाम एन अनफागेटेबल टीचर'' विषयक संगोष्ठी का शुभारम्भ करते हुए कालेज प्रबन्धक व उ॰प्र॰ स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संघ के अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने डॉ॰ कलाम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए पोखरन में परमाणु विस्फोट से लेकर उन्हें मिली मिसाइल मैन की पदवी के पीछे उनकी लगन व समय के सदुपयोग को प्रमुख कारण बताया। श्री त्रिवेदी ने कहा कि डॉ॰ कलाम एक राजनेता से इतर एक बेहतर शिक्षक थे जो जीवन पर्यन्त बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने के साथ देश के प्रगति के लिए प्रयत्न शील रहे। इस दौरान कालेज की लैग्वेज लैब प्रभारी डॉ॰ बी॰के॰ चन्द्रा ने डॉ॰ कलाम पर बनायी गयी डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया। डॉ॰ चन्द्रा ने डॉ॰ कलाम को महान भविष्य दृष्टा, शिक्षक, कवि व लेखक बताया। डॉ॰ चन्द्रा ने कहा कि डॉ॰ कलाम बच्चों व छात्रों से बहुत स्नेह करते थे इस कारण व राष्ट्रपति पद से सेवानिवृत्त के बात भी कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों की विजिटिंग फैकल्टी के तौर पर जुड़े रहे। आई॰सी॰टी॰ प्रभारी विवेक त्रिवेदी ने कहा कि डॉ॰ कलाम साहब शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के

इस्तेमाल के कायल थे और जिन्दगी भर वह इसको बढ़ावा देने के लिए प्रयत्नशील रहे। प्राचार्य डॉ॰ नरेन्द्र मोहन ने शिक्षकों से डॉ॰ कलाम के जीवन से वह अपने आचरण से सदैव छात्रों के बीच अपना अमिट स्थान बनाने हेतु प्रयत्नशील रहें। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने डॉ॰ कलाम के जीवन एवं उनके देश के लिए किये गये कार्यों को पोस्टर एवं चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित किया।

महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत रैली का हुआ आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 31 अक्टूबर को महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं रैली'' का आयोजन किया गया। रैली को आई॰सी॰टी॰ प्रभारी विवेक त्रिवेदी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को बेटियों के प्रति सजग करना है ताकि समाज में बेटियों के प्रति भेद–भाव समाप्त हो । उन्हें शिक्षित कर ऐसा बनाये जो समाज में अपने माता–पिता का नाम रौशन करें। रैली में छात्र/छात्राओं ने बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से अपने विचारों को लोगों तक पहुंचाया। इस जागरूकता अभियान के अन्तर्गत छात्र/छात्राओं ने बेटी नहीं बचाओगे, बहु कहां से लाओगे, बेटी है कुदरत का उपहार, इसको दो जीने का अधिकार आदि श्लोगनों के द्वारा भ्रूण हत्या पर करारा प्राहार करते हुये लोगों से बेटियों के जीने का हक मांगा। रैली का संचालन डॉ॰ सन्ध्या सचान, डॉ॰ अर्चना मिश्रा, ने किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक/शिक्षकाएं एवं छात्र/छात्राएं शामिल रहे।

महान खगोलशास्त्री सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर का जन्म दिवस मनाया गया

महाविद्यालय में दिनांक 19 अक्टूबर को महान खगोलशास्त्री नोबेल पुरस्कार विजेता सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर का 1॰5वां जन्म दिवस मनाया गया ।इस अवसर पर महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक डॉ॰ देवेश द्विवेदी उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये बताया कि सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर का जन्म 19 अक्टूबर 1910 को लौहार में हुआ था उनकी प्रारम्भिक शिक्षा–दीक्षा मद्रास में हुई। 24 वर्ष की अल्पआयु में उन्होंने तारे के गिरने और लुप्त होने की अपनी वैज्ञानिक जिज्ञासा सुलझा ली थी। 11 जनवरी 1935 को लन्दन की रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी की बैठक में उन्होंने अपना मौलिक शोधपत्र प्रस्तुत कर दिया था कि सफेद बौने तारे (व्हाइट ड्वार्फ) एक निश्चित द्रव्यमान प्राप्त करने के बाद अपने भार में और वृद्धि नहीं कर सकते हैं और वे ब्लेक होल बन जाते हैं उन्होंने यह भी बताया कि जिन तारों का द्रव्यमान आज सूर्य से 1.4 गुना होगा वे अन्ततः सिकुड़कर बहुत भारी हो जायेगें। उनके इस सिद्धान्त को 1983 में मान्यता मिली और उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में वर्ष 1983 का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने कहा कि हमारे देश में बहुत बड़े वैज्ञानिक हुये हैं और उन्होंने अपनी खोजों से विश्व में नाम रौशन किया है किन्तु अपने देश में रहकर उन्हें यह सम्मान नहीं हासिल हो सका है। आज हमें इन कारणों का पता लगाने की आवश्यकता है कि वे देश छोड़ने को मजबूर हुये । श्री त्रिवेदी ने कहा कि महान वैज्ञानिक सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर को बचपन से ही तारे गिनने का शौक था यही शौक आगे चलकर उन्हें पहचान दिला सका, इससे हमें और हमारे समाज को प्रेरणा मिलती है कि यदि हम निरन्तर अभ्यास और शोध करते रहें तो हमारी अलग पहचान बन सकती है। इस अवसर पर अंकित त्रिवेदी, निमिषा, दिनेश दीक्षित, नेहा गुप्ता आदि ने भी महान वैज्ञानिक सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन शिवशरण वर्मा ने किया।

महाविद्यालय में मिट्टी परीक्षण हेतु हुआ कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 9 अक्टूबर को मिट्टी परीक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें उपसम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय घाटमपुर के सुनील तिवारी व डॉ॰ हेमन्त कुमार ने छात्र/छात्राओं को मिट्टी परीक्षण की जानकारी दी। महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित श्री शक्ति कृषक क्लब द्वारा समय–समय पर गांव के किसानों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। अतः भूमि सुधार के क्रम में मिट्टी परीक्षण के द्वारा यह मालूम हो जाता है कि क्षेत्र की उर्वरा शक्ति कितनी है और किसान क्या उपयोग कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकते हैं। महाविद्यालय में मिट्टी परीक्षण की व्यवस्था है अतः उक्त कार्यशाला के द्वारा छात्र/छात्राओं को मिट्टी परीक्षण की जानकारी मुहैया कराकर क्षेत्र के किसानों को लाभान्वित किया जा सके। इसी उद्देश्य को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ॰ नरेन्द्र मोहन, डॉ॰ पी॰के॰ मिश्रा, डॉ॰ भावना, डॉ॰ हर्षिता, डॉ॰ मन्जू अग्निहोत्री, सुभाष सिंह, अरविन्द कुमार आदि प्रवक्ता मौजूद रहकर मिट्टी परीक्षण की विधि की जानकारी ली।

एड्स जागरूकता रैली का आयोजन

दिनांक 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। आई॰सी॰टी॰ प्रभारी विवेक त्रिवेदी की अगुवाई में आयोजित इस जागरूकता रैली में एन॰सी॰सी॰ कैडेट्स सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एड्स जैसी जानलेवा लाइलाज बीमारी के प्रति सचेत करना था। ''जानकारी ही बचाव है'' का सन्देश देते हुये छात्र/छात्राओं ने एड्स जैसी बीमारी के प्रति सजगता बरतने की अपील की। छात्र/छात्राओं ने घर–घर जाकर लोगों को एड्स जैसी महामारी के बारे में जागरूक किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 4 नवम्बर को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में सभी संकायों के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों द्वारा बनाये गये उपकरणों एवं स्टालों में कृत्रिम बर्फबारी, कूड़े से बिजली बनाना, इलेक्ट्रानिक लेटर बॉक्स, पेन्सिल की लेड से माइक्रोफोन, सोलर से चलने वाली कैप, नीले प्रकाश द्वारा पीलिया का इलाज, प्राकृतिक रूप से दीमक हटाने का यंत्र, यान्त्रिक ऊर्जा को प्रकाश ऊर्जा में बदलने का संयंत्र, पानी की बोतल द्वारा रासायनिक मास्क, नक्षत्र वालिका, कम्पोस्ट खाद बनाना आदि प्रमुख थे। इस विज्ञान प्रदर्शनी में महाविद्यालय की आन्तरिक टीम ने निरीक्षण किया एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 छात्र/छात्राओं कुलदीप तिवारी, शुभम ओमर, रूचि देवी, दिनेश दीक्षित, समीर वर्मा को पुरस्कार स्वरूप एक हजार रूपये प्रत्येक छात्र को प्रदान किये गये।

विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में विजयी टीम को किया गया पुरस्कृत

दिनांक 5, 6, 7 नवम्बर को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अन्तर महाविद्यालयी युवा महोत्सव में महाविद्यालय की टीम ने भाग लिया। राऊनन्दन विद्यार्थी के निर्देशन में आंचल, अंशिका, अंजलि, ओम, अमित, चैतन्य आदि छात्र/छात्राओं ने सूखा ग्रस्त किसान पर आधारित ''कोई तो सुनों हमारी भी'' विषय पर स्किट प्रतियोगिता में सहभागिता की। उक्त स्किट प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 12 दिसम्बर को आई॰सी॰टी॰ प्रभारी विवेक त्रिवेदी द्वारा विजयी प्रतिभागियों में प्रत्येक को 2100 रुपये एवं राऊनन्दन विद्यार्थी को रुपये 5000 की धनराशि पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुये विजयी टीम को बधाई दी।

स्काउट एण्ड गाइड शिविर का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 5 से 7 अक्टूबर को तीन दिवसीय स्काउट एण्ड गाइड शिविर का आयोजन किया गया। स्काउट एण्ड गाइड की जिला समिति के उपाध्यक्ष एवं कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रबन्धक श्री त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउट एण्ड गाइड शिविर के आयोजन से छात्र/छात्राओं में समाज सेवा की भावना का विकास होता है। स्काउट एण्ड गाइड प्रशिक्षक त्रिवेन्द्र जी ने कहा कि स्काउट एण्ड गाइड की ट्रेनिंग पूर्ण कर प्रमाण पत्र धारकों को रेलवे, गृह विभाग, शिक्षण संस्थानों में दाखिले व अन्य सरकारी सेवाओं में लाभ मिलता है। शिविर के प्रथम दिन प्रशिक्षक ने ध्वज शिष्टाचार, सावधान–विश्राम, बायें–दायें घूमने एवं सैल्यूट का अभ्यास कराया, साथ ही ध्वज गीत, स्काउट गान, नियम व प्रतिज्ञा का अभ्यास कराया गया। दूसरे दिन बी॰पी॰सिक्स, विशेषताली, जयघोष आदि की जानकारी दी गयी। वही तीसरे व अन्तिम दिन स्काउट एण्ड गाइड के वरिष्ठ प्रशिक्षक अनुज कुमार गुप्ता ने विभिन्न प्रकार की गांठों जैसे जुलाहा गांठ, ध्रुव गांठ, लघुकर गांठ आदि की जानकारी देते हुये उनके प्रयोग बताते हुये अभ्यास कराया। इस अवसर पर शिवशरण वर्मा उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

विगत वर्षों की भाँति दिनांक 20 नवम्बर को महाविद्यालय प्रसार विभाग द्वारा ग्राम साँखाहरी में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पशुओं का इलाज कर निःशुल्क दवा वितरित की गयी। राजकीय पशु चिकित्सालय नौरंगा के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ॰ दिनेश सचान ने गाय, भैंस, बकरी आदि जानवरों का ईलाज कर उचित परामर्श प्रदान किया। डॉ॰ सचान ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुये दूध बढ़ाने के नुस्खे, विभिन्न प्रकार के टीके आदि की जानकारी दी जिसके द्वारा मुंहपका, खुरपका, गलाघोंटू आदि जानलेवा बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। महाविद्यालय के इस आयोजन को ग्रामीणों ने प्रशंसा करते हुये आयोजक मण्डल को धन्यवाद देते हुये कहा कि इस तरह के आयोजनों से हम ग्रामीणों को पशुओं के ईलाज हेतु इधन–उधर नहीं जाना पड़ता और गांव में ही ईलाज एवं परामर्श प्राप्त हो जाता है। इस अवसर पर अनोखे लाल, छइया, सत्यनारायण, विमल तिवारी आदि लोग उपस्थित रहें।

FROM THE FOUNDER'S DESK

Assessment and Accreditation of Teachers Education Department by National Assessment & Accreditation Council (NAAC) is certainly a milestone for our college but this process has inherent message- a message for her campus community to use it not for complacency but for true introspection. Here is nothing for discouragement but is everything to translate for golden tomorrow. Our Institution has already established internal Quality 4 Assurance cell (IQAC) but we must ensure that it is not confined only to record building cell This cell adequate empowerment to make more effective highest academic body of the Institution. More and more use of latest Technology not only for teaching-learning but also for community services, establishment of one active and result oriented science -led value education are main challenges before our college.

Let us Pledge our co-operation for meeting these challenges successfully. Let us popularize the emotional feeling of "Mahavidyalay Pariwar" amongst all our stakeholders, Finally, let us bring a day when all to quote and follow us and not and not us to quoto and follow others. I estend my hearty congratulations to the Publication Board of Newsletter and appreciate for their all efforts to bring out this issue. With warm hearty New Year's Greeting for all our stakeholders.

-R.C. Trivedi

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

Shankhahari, Ghatampur, Kanpur Nagar

A Study of Centre of

Indira Gandhi National University (IGNOU)

Programmes Offered-

Certificate in Guidance (CIG)
Bachelor's Degree Programme (BDP)
Bechelor's Preparatory Programme (BPP)
Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD)
Certificate in Rural Development (CRD)

परामर्श :–
श्री विनय त्रिवेदी
श्री विवेक त्रिवेदी

सम्पादक :–
डॉ॰ सन्दीप त्रिपाठी

सम्पादक :– समाचार संकलन एवं लेखन :–
अखिलेश मिश्र

श्री शक्ति डिग्री कालेज, साँखाहारी, हरबसपुर, घाटमपुर–कानपुर नगर–209206
फोन : 05115–237319, 237381, फैक्स नं० : 05115–237381
Website : www.sssdckanpur.org, Email : info.ssdc@gmail.com